समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Saturday, 17 October 2026

गुजरात मे मंत्रिमंडल फेरबदल के बीच ‘बाबा वेगां’ अंबालाल पटेल की भविष्यवाणी से बढ़ी BJP की चिंता — कहा, “सरकार को आने वाले साल मे रंहना होगा सावधान”

Publisher

Published on 16 Oct 2025

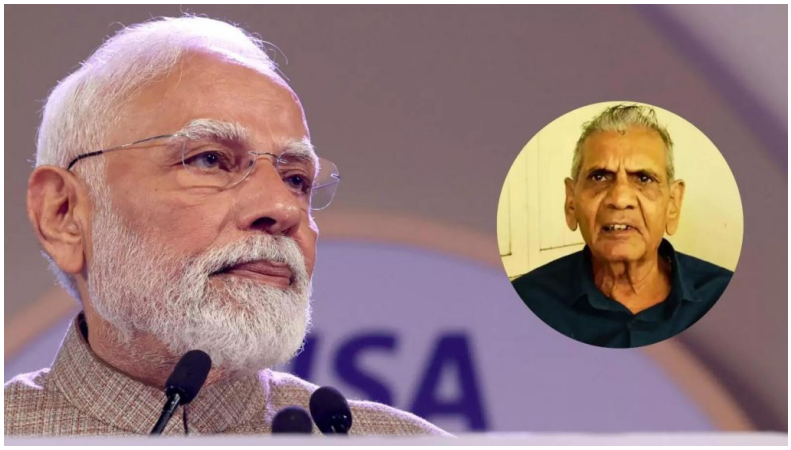

गुजरात में हाल ही में हुए मंत्रिमंडल फेरबदल के बीच एक ऐसी भविष्यवाणी सामने आई है जिसने सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी (BJP) के भीतर हलचल मचा दी है। जाने-माने भविष्यवक्ता और मौसम विशेषज्ञ अंबालाल पटेल, जिन्हें लोग मज़ाक में “गुजरात के बाबा वेंगा” के नाम से पुकारते हैं, ने एक ऐसी भविष्यवाणी की है जिससे राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज़ हो गई है।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नए मंत्रिमंडल के गठन के ठीक बाद, दिवाली के अगले दिन जब राज्य में नए साल की शुरुआत मानी जाती है, उसी समय अंबालाल पटेल ने मीडिया से बातचीत में कहा कि “आने वाला साल सरकार के लिए आसान नहीं रहने वाला है।” उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि राज्य की राजनीति और शासन व्यवस्था को अगले कुछ महीनों में कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है।

अंबालाल पटेल ने अपने विश्लेषण में कहा कि ग्रह-नक्षत्रों की स्थिति इस ओर संकेत दे रही है कि साल 2025 गुजरात की सत्ता के लिए ‘परीक्षा का वर्ष’ साबित हो सकता है। उन्होंने कहा, “सरकार को अपने फैसलों और जनता के प्रति जवाबदेही के मामलों में अधिक सावधानी रखनी होगी। किसी भी प्रकार की लापरवाही या असंतुलन सरकार के लिए असहज स्थिति पैदा कर सकता है।”

उनकी यह भविष्यवाणी उस समय आई है जब मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने अपने मंत्रिमंडल में बड़े फेरबदल करते हुए कई नए चेहरों को शामिल किया है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह बदलाव आगामी विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखकर किया गया है ताकि पार्टी संगठन में नई ऊर्जा का संचार हो सके। हालांकि, अंबालाल पटेल के इस बयान ने BJP की रणनीति पर नया सस्पेंस जोड़ दिया है।

गौरतलब है कि अंबालाल पटेल सिर्फ ज्योतिषी नहीं, बल्कि एक प्रसिद्ध मौसम वैज्ञानिक और भविष्यवक्ता के रूप में भी जाने जाते हैं। उन्होंने कई मौकों पर सटीक मौसम पूर्वानुमान दिए हैं और राजनीतिक घटनाओं को लेकर भी उनके कथन चर्चा में रहे हैं।

पिछले कुछ वर्षों में उनके कई बयान और भविष्यवाणियां सच साबित हुई हैं, जिसके कारण गुजरात में उनकी भविष्यवाणियों को गंभीरता से लिया जाता है।

अंबालाल पटेल ने अपने ताज़ा वक्तव्य में यह भी कहा कि "जनता की अपेक्षाएं बढ़ रही हैं, और सरकार को अपनी नीतियों और योजनाओं को पारदर्शी रूप में लागू करने की आवश्यकता है। यदि सरकार इस पर ध्यान नहीं देती, तो कुछ अप्रत्याशित घटनाएं उसे चुनौती दे सकती हैं।" उन्होंने साथ ही यह भी कहा कि आने वाले महीनों में प्राकृतिक घटनाएं और जलवायु परिवर्तन भी राज्य के लिए चिंता का विषय बन सकते हैं।

राजनीतिक हलकों में माना जा रहा है कि अंबालाल पटेल की यह भविष्यवाणी BJP के भीतर आत्ममंथन का कारण बन सकती है। पार्टी फिलहाल आगामी पंचायत और निकाय चुनावों की तैयारी में जुटी है, वहीं विपक्ष कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (AAP) इस तरह के बयानों को अपने राजनीतिक लाभ के लिए भुनाने में पीछे नहीं है।

कांग्रेस नेताओं ने अंबालाल पटेल की भविष्यवाणी का हवाला देते हुए कहा कि "यह जनता की आवाज़ है जो अब धीरे-धीरे बदल रही है। लोग महंगाई, बेरोज़गारी और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों पर सवाल उठा रहे हैं।" वहीं BJP के प्रवक्ताओं ने इसे "राजनीतिक भविष्यवाणी" बताते हुए कहा कि पार्टी सरकार और संगठन दोनों ही जनता के विश्वास पर खरे उतरेंगे।

इस बीच, राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि अंबालाल पटेल की भविष्यवाणियों को हल्के में नहीं लिया जा सकता। उनके ज्योतिषीय विश्लेषण अक्सर सामाजिक और राजनीतिक घटनाओं से मेल खाते हैं। हालांकि, यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या इस बार भी उनकी भविष्यवाणी वास्तविकता में बदलती है या नहीं।

राजनीतिक पंडितों का मानना है कि मंत्रिमंडल फेरबदल से मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने युवाओं, महिलाओं और क्षेत्रीय संतुलन को प्राथमिकता दी है। लेकिन इस बदलाव के बाद यदि सरकार जनता की अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतर पाती, तो विपक्ष इसे मुद्दा बनाकर आगामी चुनावों में आक्रामक रुख अपना सकता है।

अंबालाल पटेल ने अपने वक्तव्य के अंत में कहा कि "ग्रहों की चाल संकेत दे रही है कि आने वाला साल शासन के लिए विचार और सुधार का वर्ष होगा। जो सरकार जनता की आवाज़ सुनेगी और सच्चे मन से काम करेगी, वही स्थिर रहेगी।"

उनकी इस टिप्पणी के बाद गुजरात के राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि क्या वाकई BJP को किसी चुनौती का सामना करना पड़ेगा, या यह सिर्फ एक "आध्यात्मिक चेतावनी" है जो शासन को सजग रहने का संकेत दे रही है।

एक बात तो तय है कि 'बाबा वेंगा' कहे जाने वाले अंबालाल पटेल की इस भविष्यवाणी ने गुजरात की राजनीति में नया उत्सुकता का माहौल जरूर बना दिया है, जहां हर कोई अब यह जानना चाहता है कि "क्या ग्रहों की चाल वाकई सत्ता की दिशा बदल सकती है ?"

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.